

यारे पाठक मित्रों, यह जाना माना सच है कि मुहावरे, लोकोक्तियां तथा लोकोक्तिवत प्रयुक्त पदबंध (Proverbial sayings) हर भाषा के प्राण होते हैं। सामान्य, सपाट व अलंकारहीन भाषा व्यक्ति को थोड़ा-बहुत साक्षर भले ही बना दे, प्रभाव और रस में विपन्न होती है। मुहावरों-लोकोक्तियों आदि में एक अलंकारिक सौंदर्य होता है जोकि भाषा की गहराई-सौंदर्य व आकर्षण प्रदान कर भाषा में नये प्राणों-नये जोश का संचार करता है, है न? और हाँ, अगर विषय-वस्तु पर्याप्त महत्व की हो तो ये लोकोकितयां विषय-लेखन में चार-चाँद ही जड़ देती हैं। अब 'जल' यानी 'पानी' की बात करें तो इससे अहम विषय या शब्द भला क्या हो सकता है क्योंकि जल संपूर्ण जीव-जगत का प्राण है। जाहिर है कि इस जबर्दस्त अहमियत के कारण इससे कई--कई मुहावरे-लोकोक्तियां जुड़ी होंगी। यहां हमने उन्हीं सब लोकोक्तियों को आपके लिये संकलित किया है जोकि हिंदी लिखने-बोलने में दैनंदिन तौर पर इस्तेमाल की जाती हैं। आज क्योंकि अंग्रेजी भी महत्वपूर्ण भाषा है तो इन मुहावरों-कहावतों के अंग्रेजी समतुल्य भी आपकी सुविधा के लिए दिये जा रहे हैं। 'जलचेतना' के लेखक-संपादक इनका इस्तेमाल करें तो यह सुंदर

पत्रिका अधिक सुंदर, अधिक पठनीय बन जायेगी, ऐसा हमारा विश्वास है!

तो लीजिए पेश हैं जल से जुड़ी लोकोक्तियां-कहावतें.....

> 1. अधजल गगरी छलकत जाए। Shallow streams make much noise.

2. इधर कुआँ, उधर खाई

Be on the horns of a dilemma.

He who rides a tiger is affraid to dismount.

3. एक मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है। A rotten apple injures its companions



One scabbed sheep will mar a whole flock.

 आगे की भैंस पानी पीये, पीछे की पीये कीचड़।

Bones for the late comers.

5. घड़ियाली आँसू बहाना

To shed Crocodile Tears.

 घोड़े को पानी दिखा सकते हैं, पिला नहीं सकते।

One can lead a horse to water but can not make him drink.

13. कुएं का मेंढ़क कुएं के बारे में ही जाने।

Frog in the well knows nothing of the great ocean.

14. का वर्षा जब कृषि सुखानी।

It is too late to shut the stable door after the horse has bolted.

15. मुफलिसी में आटा गीला

Misfortunes never come alone.

16. पानी की तरह पैसा बहाना।

Spend money like water.

17. पानी में रहे, प्यासे मरे; जल विच मीन प्यासी।

22. बिन पानी सब सून।

No water, no life; life runs on water.

23. जल ही जीवन है।

Water is life.

24. जल है तो कल है।

If we have water, we have future.

25. ऑसुओं को सुखते देर नहीं लगती।

Nothing dries sooner than tears.

प्यारे पाठकों, हो सकता है हम एकाध कहावत भूल गये हों तो कृपया उपरोक्त पते पर हमें बताइयेगा जरूर, ओके? इस लेख का शीर्षक 'जल बिच मीन

> प्यासी' हमने इसलिए रखा कि जल में मछली भी वाकई प्यासी रहती है और बीच-बीच में उसे पानी पीना पड़ता है। अब कबीर जी को यह सुन शायद हंसी आए मगर यह बात है सच! मित्रों, यह भी बता दें कि इसके अंग्रेजी समत्त्य "Water water everywhere, not a drop to Drink" शब्दों की रचना भी एक महान कवि S.T. Coleridge ने अपनी कविता Rhyme of a mariner" में की थी। आप अथाह समुद्र जल के बीच हों और प्यासे हों तो बेबसी में यही काव्यमय बात कहेंगे न? बहरहाल, इन कहावतों -लोकोक्तियों - मुहावरों - पदबंधों (Phrases, Fables, Idioms, Proverbs) के पीछे गहरी सूझ-बूझ, पर्यवेक्षण और अनुभव छिपा होता है, तभी ये कहावतें दीर्घजीवी बन जाती हैं। जल की इन लोकोक्तियों का इतिहास

बहुत-बहुत दिलचस्प है जिसे हम Etymology नामक विज्ञान के जिरये अवश्य समझ सकेंगे। बहरहाल, यह तो स्पष्ट है कि इन लोकोक्तियों के बिना भाषा अधूरी सी रहती है जैसा कि अधपका भोजन संपूर्ण स्वाद नहीं जगाता। मानेंगे न आप, बेशक!!



7. पाप की कमाई पानी में गंवाई।
Ill gotten ill spent.
8. प्यासा ही कुएं के पास जाता है।
Needy only goes to an invention.
9. फूटे घड़े में जल नहीं टिकता।
Broken sack will hold no corn.
10. बूँद-बूँद करके घड़ा खाली हो जाता है।
Drop by drop the lake is drained.
11. बूँद-बूँद से घट भरता है।
Many drops make a shower.
12. हर कोई अपना खेत सींचे।

Every miller draws water to his own mill.

Water water everywhere not a drop to drink.

18. जब तक समुद्र है तब तक नमक है।

You never miss the water till the well runs dry.

19. जो गरजते हैं वो बरसते नहीं।

Barking dogs seldom bite.

20. जो दूसरे के लिए कुँआं खोदे, स्वयं उसमें गिरे।

They hurt themselves who wrong others.

21. इबते को तिनके का सहारा।

Drowing man will clutch at a straw.

संपर्क करें: **डॉ. देवकी नंदन** बी-707 प्रगति अपार्टमैन्ट्स प्लॉट 5सी, सेक्टर-11 द्वारका, नई दिल्ली-110075 मो.न. 09910332145, 9717585073

ईमेल : deokinandan1@rediffmail.com